PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Haribhumi, Delhi
Tue, 28 Nov 2017, Page 11
Width: 16.59 cms, Height: 25.15 cms, a4, Ref: 13.2017-11-28.126

केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया ने किया आह्वान

अंगदान न मिल पाने के कारण लोग हो रहे हैं मौत के शिकार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| नई दिल्ली

अंगदान जैसे महादान के जरिए न सिर्फ शरीर के विकारों को दूर किया जा सकता है बल्कि बीमार व्यक्ति को नया जीवन प्रदान किया जा सकता है, बस अंगदान को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है। 8वें भारतीय अंगदान दिवस के मौके पर ये बात कहते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने अंगदान करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। अंगदान में भारत की रफ्तार धीमी अगर देश में अंगदान की कमी की बात करे तो आंकड़ो के अनुसार अंगदानों के इंतजार के चलते करीब 90 प्रतिशत रोगियों की मृत्यु हो जाती है। देश में जागरूकता की कमी के कारण कई बार जिंदगी बचाने वाले अंगों की बर्बादी होती है। भारत में 1.50 लाख लोगो को किडनी की जरूरत होती है लोकिन केवल 3 हजार जरूरतमंदों को ही यह मिल पाती है। देश में हर साल 25 हजार लीवर ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है लेकिन केवल 800 लोगो को ही यह मिल पाता है जो कि बेहद ज्यादा चिंता का विषय है।

तमिलनाडु ने तीसरी बार बाजी मारी

तमिलनाडु राज्य ने 8 वें अंगदान दिवस के मौके पर अंगदान करने के मामले में लगातार तीसरी बार सर्वश्रेष्ठ राज्य के पुरस्कार को अपने नाम किया है। जानकारी के अनुसार राज्य में बीते एक साल के अंदर 5 हजार 933 से ज्यादा अंग दान किए गए है।